भयमुक्त व्यापार से यूपी में बढ़ा वैश्विक निवेश

उपलब्धि

लखनऊ, विशेष संवाददाता। विधानसभा के संपन्न हुए शीतकालीन सत्र में अनुपूरक बजट पर चर्चा के प्रतिउत्तर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का संबोधन वर्ष 2025 के लिए एक व्यापक वार्षिक समीक्षा सिद्ध हुआ है। मुख्यमंत्री ने सदन के पटल पर अपनी सरकार की विकास यात्रा का विवरण प्रस्तुत करते हुए स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश अब भयमुक्त व्यापार, ईज़ आफ डूइंग बिजनेस और व्यापारिक विश्वास का वैश्विक केंद्र बन चुका है। उन्होंने सत्र के दौरान अपने वक्तव्य में बल देकर कहा कि राज्य ने कठोर वित्तीय अनुशासन और सुशासन के बल पर अपनी अर्थव्यवस्था का पूर्ण कायाकल्प किया है। यह वर्ष प्रदेश के लिए उस कालखंड के रूप में अंकित हुआ है जहां जीएसडीपी और प्रति व्यक्ति आय के आंकड़े राज्य की आर्थिक आत्मनिर्भरता और सुदृढ़ सामाजिक-आर्थिक ढांचे की पुष्टि करते हैं। उत्तर प्रदेश अब बीमारू राज्य नहीं देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

मुख्यमंत्री के भाषण का समग्र संदेश साफ है। उत्तर प्रदेश अब बीमारू राज्य नहीं, बल्कि देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। वित्तीय अनुशासन, राजस्व सरप्लस और मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ प्रदेश ने यह दिखा दिया है कि सुशासन से बड़े बदलाव संभव हैं।

वर्ष 2025 उत्तर प्रदेश के लिए उस परिवर्तन की कहानी बनकर दर्ज हुआ, जिसने राज्य को विकास पुरुष के नेतृत्व में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने यह प्रमाणित किया कि यदि सरकार की नीयत साफ हो और प्राथमिकताएं स्पष्ट हों, तो बड़े से बड़ा प्रदेश भी सुशासन का उदाहरण बन सकता है। मुख्यमंत्री का स्पष्ट कहना है कि किसी भी समाज, संस्था या व्यक्ति के लिए सबसे पहली जरूरत सुरक्षा है। यही वजह है कि कानून-व्यवस्था को सरकार ने विकास की बुनियाद बनाया हैं।

उत्तर प्रदेश से संबंधित प्रमुख आंकड़े एक नजर में

- लगभग 9 वर्षों में 9 लाख से अधिक सरकारी नौकरियां
- 60244 पुलिसकर्मियों की हालिया भर्ती
- प्रदेश में 22 एक्सप्रेसवे का नेटवर्क
- 16000 किलोमीटर से अधिक रेलवे नेटवर्क
- 16 संचालित एयरपोर्ट, 4 अंतरराष्ट्रीय
- 96 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयां
- एमएसएमई से लगभग 2 करोड़ लोगों को रोजगार
- 45 लाख करोड़ रुपये से अधिक निवेश प्रस्ताव
- 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक निवेश जमीन पर उतरा
- उत्तर प्रदेश जीएसडीपी लगभग 35 से 36 लाख करोड़ रुपये
- प्रति व्यक्ति आय 45000 से बढ़कर 120000 रुपये
- प्रदेश देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था
- 55 प्रतिशत मोबाइल फोन निर्माण उत्तर प्रदेश में
- 60 प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स का उत्पादन
- 21 प्रतिशत देश का खाद्यान्न उत्पादन
- 55 प्रतिशत गन्ना उत्पादन उत्तर प्रदेश में
- 182 करोड़ लीटर इथेनॉल उत्पादन
- बेरोजगारी दर घटकर लगभग 2.21 प्रतिशत

नौ लाख से अधिक सरकारी नौकरियां

रोजगार सृजन योगी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धियों में शामिल है। बीते पौने नौ वर्षों में प्रदेश के युवाओं को नौ लाख से अधिक सरकारी नौकरियां पूरी पारदर्शिता के साथ दी गईं। बिना पर्ची, बिना खर्ची की नीति ने युवाओं का भरोसा बहाल किया है। पुलिस भर्ती से लेकर आयोगों तक, भर्ती प्रक्रिया में तकनीक और पारदर्शिता को आधार बनाया गया। सरकारी नौकरियों के साथ-साथ निजी क्षेत्र में भी रोजगार के अवसर तेजी से बढ़े हैं।